Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अध्याय-5 | नागार्जुन

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. यह दंतुरित मुसकान कविता में बच्चा कवि को क्यों नहीं पहचान पाया?

(अ) सभी कथन सत्य हैं
(ब) बच्चे का उनसे कोई परिचय नहीं था
(स) बच्चा उनको पहली बार देख रहा था
(द) कवि बच्चे के जन्म के बाद पहली बार घर पहुँचा था

2. कवि के अनुसार कौन-सी मुस्कान मृतक में भी जान डाल देगी?

(अ) झूठी मुस्कान
(ब) ठहाके वाली हँसी
(स) बिना दाँतों वाली हँसी
(द) दंतुरित मुस्कान

3. पिघल कर जल बन गया होगा कठिन पाषाण कविता यह दंतुरित मुसकान की इस पंक्ति का क्या आशय है?

(अ) बच्चों के आगमन से पहाड़ पिघल गए
(ब) बच्चे के आगमन से सबको हर्ष हुआ
(स) बच्चे के आगमन से पत्थर पिघल गए
(द) बच्चे के आगमन से कवि का कठोर हृदय भी पिघल गया

4. नागार्जुन की कविता में कौन-सी शब्द-शक्ति का प्रयोग है?

(अ) अभिधा
(ब) इनमें से कोई नहीं
(स) लक्षणा
व्यंजना

5. यह दंतुरित मुसकान कविता अनुसार बच्चे के स्पर्श से कैसे फूल झरने की कल्पना की गई है?

(अ) गुलाब के
(ब) चमेली के
(स) शेफालिका के
(द) कमल के

6. नागार्जुन को आधुनिक कबीर कहा जाता है, क्योंकि

(अ) वे हिन्दी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं में भी रचना करते थे।
(ब) उनकी कविताओं में व्यंग्य होता है।
(स) वे राजनीति में सक्रिय थे।
(द) उन्होंने कविता के साथ गद्य के अन्य विधाओं में भी

7. नागार्जुन की कविता में बच्चे की दंतुरित मुस्कान किसके समान मानी गई है?

(अ) बाँस के फूलों के समान
(ब) शेफालिका के फूलों के समान
(स) बबूल के फूलों के समान
(द) कमल के फूलों के समान

8. यह दंतुरित मुसकान कविता में बच्चा अपने पिता को क्यों नहीं पहचान पाता?

(अ) माँ ने बच्चे को पिता से मिलवाया नहीं था।
(ब) विशेष कारणवश पिता बच्चे को देखना नहीं चाहता था।
(स) बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था।
(द) छोटे बच्चे सिर्फ़ अपनी माँ को ही पहचानते हैं।

9. फसल को किसकी गरिमा बताया गया है?

(अ) करोड़ों हाथों के स्पर्श की
(ब) सूरज की किरणों की
(स) मिट्टी के गुणधर्म की
(द) नदियों के पानी की

जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. नागार्जुन मैथिली में किस नाम से प्रतिष्ठित हैं ?

(अ) नागार्जुन (ब) फकीर

(स) वैद्यनाथ मिश्र (द) यात्री

रिक्त स्थान :

11. ____________ फसल को थिरकना सिखाती है।

12. यह दंतुरित मुसकान कविता में ____________ रस है।

सत्य / असत्य

13. कवि नागार्जुन ने अपने आपको चिर-प्रवासी कहा है।

14. फसल कविता के कवि का नाम मंगलेश डबराल है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. बच्चे की मुसकान मुर्दे में जान डाल देती है, इसका क्या अर्थ है?

16. दंतुरित मुसकान किसकी मुस्कान के लिए प्रयोग किया है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. यह दंतुरित मुस्कान के आधार पर मुस्कान की दो विशेषताएँ समझाइए।

18. **छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल**
उक्त पंक्ति का आशय नागार्जुन की कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. कवि ने फसल को हजार-हजार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म कहा है— फसल मिट्टी का गुण धर्म कैसे है? वर्तमान जीवन शैली मिट्टी के गुण-धर्म को किस-किस तरह प्रभावित करती है?

20. **निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए —**

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात........
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?

i. **किसकी मुसकान मृतक में भी जान डाल देती है?**

ii. **कवि शिशु के स्पर्श से पाषाण का पिघलना' कहकर क्या स्पष्ट करना चाहता है?**

iii. **'बाँस' या 'बबूल' से 'शेफालिका के फूल झरने' में निहित भाव क्या है?**

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये —

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात ...
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगें अनिमेष!

21. (i) शिशु का धूल-धूसरित शरीर कवि को कैसा लगता है?

(अ) रुई के समान
(ब) कमल के समान
(स) गेंद के समान
(द) तारों के समान

21. (ii) किसे देखकर कठोर पाषाण जल में परिवर्तित होने की कल्पना की गई है?

(अ) माँ का करुण रुदन
(ब) शिशु की दंतुरित मुस्कान
(स) तेज वर्षा
(द) मनवांछित उपहार

21. (iii) शिशु एकटक कवि की तरफ देख रहा है क्योंकि —

(अ) कवि को पहचानना चाह रहा है
(ब) कवि हँस रहा है
(स) कवि नाच रहा है
(द) सभी विकल्प सही हैं

21. (iv) बच्चे की मुस्कान मुर्दे में भी जान डाल देती है इससे तात्पर्य है —

(अ) निराश व्यक्ति में आशा का संचार हो जाता है
(ब) मुर्दा व्यक्ति जीवित हो जाता है
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) कोई व्यक्ति मरता नहीं है

21. (v) कठिन पाषाण का क्या अर्थ है?

(अ) सभी विकल्प सही हैं
(ब) भारी पत्थर
(स) बड़ी चट्टान
(द) कठोर हृदय वाला

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Worksheet-1
उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN
Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan

1. (अ) कवि अधिकतर बाहर रहता था। वह बच्चे के जन्म के बाद पहली बार अपने घर लौटा था।
2. (द) दंतुरित मुस्कान।
3. (द) बच्चे के आगमन से कवि का कठोर हृदय भी पिघल गया।
4. (अ) अभिधा शब्द-शक्ति।
5. (स) शेफालिका के।
6. (ब) कबीर के समान नागार्जुन की कविताओं में भी समाज में फैली बुराइयों रूढ़ियों के खिलाफ व्यंग्य होता है, इसीलिए उन्हें आधुनिक कबीर भी कहा जाता है।
7. (द) नागार्जुन की कविता में बच्चे की मुसकान को कमल के फूल के समान बताया गया है।
8. (स) बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था।
9. (अ) करोड़ों हाथों के स्पर्श की गरिमा।
10. (द) बैद्यनाथ मिश्र नागार्जुन का मूल नाम था। हिन्दी में वे नागार्जुन नाम से तथा मैथिली में यात्री नाम से लिखते थे।
11. **रिक्त स्थान :** हवा।
12. **रिक्त स्थान :** वात्सल्य रस।
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. हताश व्यक्ति में आशा का संचार करती है।
16. दंतुरित मुसकान कवि के शिशु की मुसकान है।
17. कविता के अनुसार बच्चे की दंतुरित मुसकान भोली, निश्छल और मनोहारी होती है, यह किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। यह हताश-निराश व्यक्ति में भी आशा का संचार करती है और मृतकों में भी जीवन का संचार कर देती है।
18. कविता के अनुसार छोटे बच्चे की मुसकान इस प्रकार की होती है कि काँटों से भी फूल झड़ने लगते हैं। कवि का कहना है कि बच्चे के दंतुरित मुसकान के प्रभाव से कठोर व्यक्ति भी कोमल और सरस हो सकता है।
19. मिट्टी ही फसल का मूल आधार है। मिट्टी के गुण-धर्म का आशय है-मिट्टी में मिले हुए प्राकृतिक तत्व, खनिज पदार्थ और पोषक तत्व जिनके मेल से किसी मिट्टी का स्वरूप अन्य मिट्टियों से विशेष हो जाता है। किसी भी फसल की उपज मिट्टी के उपजाऊ होने पर निर्भर करती है। मिट्टी, अपने रस से बीज को अंकुरित कर उसका पोषण कर फसल के रूप में तैयार करती है। वह जननी के रूप में सृजन का कार्य करती है।
    वर्तमान में अति उपयोग (उपभोक्ताकरण) वाली जीवन शैली मिट्टी के गुणों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। तरह-तरह के रासायनिक तत्व जाने-अनजाने इसमें मिलाए जाते है जिस कारण इसके गुण बदल जाते है। वर्तमान का मानव प्रत्येक वस्तु, संसाधन का आवश्यकता से अधिक उपयोग करता है एवं उपयोग के बाद संसाधनों को फेंक देता है। इससे एक तो उपयोगी संसाधन नष्ट हो जाते हैं दूसरा उनके बचे हुए भाग प्रदूषण भी उत्पन्न करते हैं। संक्षेप में कहें तो वर्तमान जीवन शैली मृदा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। हमें मृदा पर पड़ने वाले इस नकारात्मक प्रभाव के प्रति सजग रहना चाहिए क्योंकि मृदा जीवन के लिए मूलभूत है।
20. i. कोमल शिशु की मधुर मुसकान मृतक में जान डालकर जीवन का संचार कर देती है।
    ii. पत्थर के समान कठोर हृदय वाले व्यक्ति भी शिशु की मुसकान देखकर उसका स्पर्श पाकर पिघल जाते हैं, भावुक हो जाते हैं।
    iii. कवि का स्पर्श बबूल और बाँस के समान कठोर है। उस कठोरता के स्पर्श से बच्चे की आँखों से अश्रु ऐसे झरने लगे जैसे शेफालिका के फूल झर रहे हों। इसका भाव है कि शिशु को छू देने से ऐसा लगता है मानो बॉस या बबूल से शेफालिका के फूल झरने लगे हैं अर्थात कठोर, नीरस हृदय भी कोमल बालक के स्पर्श से सरस हो जाता है।
21. **i.** (ब) कमल के समान
    ii. (ब) शिशु की दंतुरित मुस्कान
    iii. (अ) कवि को पहचानना चाह रहा है
    iv. (अ) निराश व्यक्ति में आशा का संचार हो जाता है
    v. (द) कठोर हृदय वाला

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App